

## Padma Shri



### **SHRI JAGESHWAR YADAV**

Shri Jageshwar Yadav is a tribal activist, who is known for his work for the upliftment of Birhor tribes of Chhattisgarh.

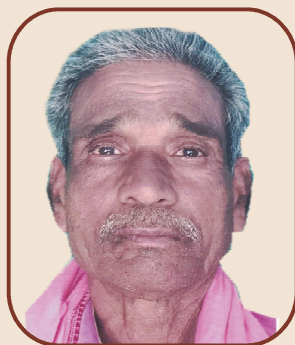
2. Born on 10<sup>th</sup> October, 1955, Shri Yadav has been working for the upliftment of Birhor caste since 1980. He met poor Birhor families and inquired about their conditions. Birhor community used to lead nomadic life. They hunted animals like monkeys to make a living and made their residence wherever it was night. Shri Yadav made efforts to provide agricultural land and agricultural tools for agriculture to the Birhor people. He also made efforts to get lease of forest lands. Due to these efforts, the Birhor people have started to live in their permanent residence. They have also started earning and living by doing agricultural work and labourer work.

3. Shri Yadav made efforts to create awareness about education among Birhor caste and to open schools with the help of government. Now their children are currently studying in schools. Especially girls are taking interest in studies. Some children are doing government jobs today.

4. Shri Yadav has also worked in many other areas for the upliftment of Birhor people. He established an ashram in this village and opened an ashram school with the help of government. Due to his efforts, Birhor families are getting government facilities. He has also put special focus on their health. He has encouraged mass marriage, launched drug de-addiction campaign, cleanliness and tree plantation.

5. Shri Yadav has been honoured by several authorities for his works like Chairman Chhattisgarh Rajya Anusuchit Janjati Aayog, MPs, MLAs, Commissioner, Bilaspur Division etc.

पदम श्री



## श्री जागेश्वर यादव

श्री जागेश्वर यादव एक आदिवासी कार्यकर्ता हैं, जो छत्तीसगढ़ की बिरहोर जनजातियों के उत्थान कार्य के लिए जाने जाते हैं।

2. 10 अक्टूबर, 1955 को जन्मे, श्री यादव वर्ष 1980 से बिरहोर जाति के उत्थान के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने गरीब बिरहोर परिवारों से मिलकर उनके हालात की जानकारी ली। बिरहोर समुदाय के लोग खानाबदोश जीवन व्यतीत करते थे। वे जीवन निर्वाह के लिए वानर जैसे जानवरों का शिकार करते थे और जहां रात होती थी, वहीं अपना ठिकाना बना लेते थे। श्री यादव ने बिरहोर समुदाय को खेती के लिए कृषि भूमि और कृषि उपकरण उपलब्ध कराने की कोशिश की। उन्होंने उन्हें वन्य भूमि का पट्टा दिलाने के भी प्रयास किए। इन प्रयासों से बिरहोर लोगों का अपना स्थायी आवास बन गया है। अब वे खेती और मजदूरी करके कमाने और जीवन यापन करने लगे हैं।

3. श्री यादव ने बिरहोर जाति के बीच शिक्षा को लेकर जागरूकता पैदा करने और सरकार की मदद से स्कूल खोलने के प्रयास किए। अब उनके बच्चे स्कूलों में पढ़ते हैं और खास तौर पर लड़कियां पढ़ाई में रुचि ले रही हैं। कुछ बच्चे आज सरकारी नौकरी भी कर रहे हैं।

4. श्री यादव ने बिरहोर लोगों के उत्थान के लिए कई अन्य क्षेत्रों में भी काम किया है। उन्होंने इस गांव में एक आश्रम स्थापित किया और सरकार की मदद से आश्रम स्कूल खोला। उनके प्रयास से बिरहोर परिवारों को सरकारी सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने उनके स्वास्थ्य पर भी खास ध्यान दिया। उन्होंने सामूहिक विवाह को प्रोत्साहित किया, नशामुक्ति, स्वच्छता और वृक्षारोपण अभियान चलाया।

5. श्री यादव को उनके कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के चेयरमैन, संसद सदस्यों, विधायकों, बिलासपुर संभाग के आयुक्त आदि जैसे कई अधिकारियों ने सम्मानित किया है।